# शिवजी भोला गज़ब का गोला ....

शिवजी भोला गज़ब रा गोला, आया है नन्द–द्वार पे
माता दरश दिखा दे तेरे लाल के। शिवजी भोला ....
माता बोली, नहीं मैं भोली, चला जा मेरे द्वार से
नहीं दरशन होंगे मेरे लाल के। शिवजी भोला ....
देख के जोगी का रूप निराला, माताजी घबरा गई
सोया हुआ है मेरा कृष्ण–कन्हैया, नींद गहरी आ गई
नाग काला, गले में मुण्ड–माला, पहने हैं मृग–छाला
चलेगा कोई चाल रे, नहीं दर्शन होंगे मेरे लाल के
शिवजी भोला ....

बोला रे बाला जोगी, सुनले ऐ माता, मुरली बजैया मेरा यार है
मैं हूँ पुराना, मेरा यार पुराना, वर्षों पुराना मेरा प्यार है
अलख जगाई, अलख जगाई, धूनी रमाई, धूनी रमाई
बिन दर्शन नहीं जाऊँ, यहीं मर जाऊँ, कान्हा के गुण गाऊँ
तुम देखना कमाल रे, नहीं दर्शन होंगे मेरे लाल के
शिवजी भोला ....

कबीर तहां ना जाइए, जहां कपट को हेत।
नौ मन बीज जु बोय के, खाली रहिगा खेत।।